दैनिक भास्कर इंदौर 06-09-2024

डायरेक्ट कैंपस प्लेसमेंट का ट्रेंड घटेगा, समर ट्रेनिंग, फैलोशिप का बढ़ेगा

कंपनियां दो महीने तक ट्रेनिंग के साथ परख रहीं स्टूडेंट की क्वालिटी, लगभग आधे फ्रेशर्स की नियुक्तियां इसी आधार पर हो रही हैं

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कंपनियां अब नए टैलेंट खोजने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के बजाय समर ट्रेनिंग, फैलोशिप जैसी स्कीम पर ज्यादा फोकस कर रहीं हैं।

आने वाले समय में कैंपस प्लेसमेंट पर निर्भरता और कम होगी। जबकि 2 माह तक दी जाने वाली विशेष ट्रेनिंग को ही ज्यादा महत्व दिया जाएगा। इसमें कॉलेज स्टूडेंट्स को हर तरीके से परखा जाता है। जो छात्र अच्छा काम करते हैं, उन्हें जॉब ऑफर किया जाता है। यह बात गुरुवार को शहर में हुए सीआईआई के एचआर कॉन्क्लेव में शामिल हुई गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की एचआर एसोसिएट वॉइस प्रेसिडेंट ज्योत्सना एडलिन ने भास्कर से खास चर्चा में कही।

उन्होंने कहा कि फिलहाल कंपनियों में लगभग आधे फ्रेशर्स कि नियुक्तियां इसी तरह हो रही हैं। आगामी समय में हो सकता है कि यही ट्रेंड सेट हो जाए और कैंपस प्लेसमेंट का सिस्टम ही खत्म हो जाए।

सवालों से समझिए ट्रेंड

• युवाओं खासकर फ्रेशर्स को जॉब ढूंढते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

-आजकल कॉर्पोरेट कल्चर में नए एम्प्लाय आसानी से जम नहीं पाते। खासकर जब टियर-2 या टियर 3 शहरों से मेट्रो सिटी में आए हों।

• नियुक्ति का नया ट्रेंड कितना कारगर है?

- समर इंटर्नशिप में पहले सीवी के आधार पर, फिर ग्रुप डिस्कशन और आखिर मे इंटरव्यू के बाद चयन होता है। इस दौरान उन्हें सभी तरह के वर्टीकल और प्रोजेक्ट्स में काम करने का मौका दिया जाता है। इसमें अच्छा प्रदर्शन करने वालों को जॉब ऑफर होते हैं। जहां तक कैंपस प्लेसमेंट की बात है छात्र कॉम्पिटिशन, प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन, इवेंट, प्लांट विजिट जैसी गतिविधियां से तैयारियां करते हैं।

युवा बदलाव होने के लिए वक्त दें: अपर्णा शर्मा

मुंबई स्थित रोसरी बायोटेक की इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अपर्णा शर्मा ने

कहा कि जब मिलेनियल जेनरेशन के लोग जॉब करते हैं तो जल्दी बोर हो जाते हैं। क्योंकि कंपनी से उनकी उम्मीदें ट्रेंड से एकदम अलग होती हैं, जबकि कंपनी भी उनसे बेहतर परफॉरमेंस की उम्मीद रखती है। ऐसे में जरूरी है कि युवा अपनी अपेक्षाओं को कंपनी के सामने स्पष्ट रूप से रखें। बदलाव होने देने का इंतजार करें। उन्होंने कहा कि आज कंपनियां युवाओं को लीडर बनाना चाहती हैं, लेकिन जरूरी है कि वे अपनी पोजिशन पर डटे रहें। आसानी से छोड़ देना लीडरशिप का गुण नहीं है।

एक्सपर्ट बोले- एचआर अब सपोर्ट फंक्शन नहीं, कंपनी की दिशा तय करने वाला अंग बन गया है

सीआईआई मालवा जोन ने गुरुवार को सीआईआई एचआर कॉन्क्लेव 2024 की मेजबानी की। मानव संसाधन परिदृश्य को आकार देने वाले नए ट्रेंड्स पर चर्चा की गई। सम्मेलन की शुरुआत सीआईआई मालवा रीजनल काउंसिल के अध्यक्ष अक्षत चौरडड़िया के स्वागत से हुई। उन्होंने कहा कि एचआर अब केवल एक सपोर्ट फंक्शन नहीं बल्कि किसी भी आर्गेनाइजेशन की बढ़त को ताऊ करने वाला अंग बन गया है। इस दौरान ईपीएफओ से से रीजनल पीएफ कमिश्नर अमित जैन और ईएसआईसी से रीजनल डायरेक्टर मोहम्मद रुबानी भी उपस्थित थे। उन्होंने कंपनियों के पालन के लिए जरूरी कंप्लायंस पर बात की।

कार्यक्रम में देशभर से आए अनेक मल्टी नेशनल कंपनियों के एचआर हैड्स ने एचआर के बदलते तौर तरीकों की बात की। वीई कमर्शियल व्हीकल्स के सुदीप कुमार देव ने कहा कि आजकल इन्क्रीमेंट बढ़ाने के दबाव के चलते कंपनियां पैसों के अलावा अन्य तरीके खोज रहीं हैं अपने कार्यबल को रोके रखने के लिए। इस दौरान पैनल डिस्कशन भी हुए।